भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

**लोक सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या : *46**

उत्तर देने की तारीख: 23.07.2025

**योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना**

***46. श्री प्रवीन खंडेलवाल:**

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने शहरी वाणिज्यिक क्षेत्रों में 'सीखो और कमाओ', 'पीएम-विकास' अथवा 'नई रोशनी' जैसी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मान्यताप्राप्त बाजार अथवा व्यापार संघों को संचार भागीदार के रूप में शामिल करने पर विचार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या दिल्ली में कोई प्रायोगिक परियोजना शुरू की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार की ऐसे भागीदारी मॉडल को संस्थागत बनाने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**अल्पसंख्यक कार्य मंत्री**

**(श्री किरेन रीजीजू)**

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

******

**'योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना' विषय पर दिनांक 23.07.2025 को उत्तर दिए जाने हेतु माननीय सांसद श्री प्रवीन खंडेलवाल द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *46 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण**

(क) से (ग): प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास), अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय (MoMA) की एक प्रमुख योजना है, जिसे सीखो और कमाओ (SAK) और नई रोशनी सहित पांच पूर्ववर्ती योजनाओं को समायोजित कर शुरू किया गया है। यह योजना कौशल विकास, उद्यमशीलता, अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण; और स्कूल ड्रॉपआउट छात्रों के लिए शैक्षिक सहायता के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदायों के सशक्तीकरण पर केंद्रित है।

सीखो और कमाओ योजना, जिसे 2013-14 में शुरू किया गया था, का उद्देश्य 14-45 वर्ष की आयु के अल्पसंख्यक युवाओं के कौशल को उनकी योग्यता, आर्थिक रुझानों और बाजार क्षमता के आधार पर आधुनिक/पारंपरिक क्षेत्रों में उन्नत करना है। इसका उद्देश्य उन्हें उपयुक्त रोजगार या स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। इसकी शुरूआत से लेकर अब तक लगभग 4.68 लाख लाभार्थियों को एसएके योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है।

नई रोशनी योजना, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को सशक्त बनाना और उनमें आत्मविश्वास पैदा करना है। यह योजना 2012-13 में इन महिलाओं को ज्ञान, साधनों और तकनीकों से सशक्त करने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई थी ताकि वे विभिन्न स्तरों पर सरकारी तंत्रों, बैंकों और अन्य संस्थानों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ सकें।

मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और अल्पसंख्यक कारीगरों के सांस्कृतिक और आर्थिक योगदान की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने के लिए, उस्ताद योजना के तहत 'हुनर हाट' का आयोजन करता आ रहा है और अब पीएम विकास योजना के तहत 'लोक संवर्धन पर्व' का आयोजन कर रहा है। ये आयोजन कारीगरों को उनकी कला का प्रदर्शन करने और जनता के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। ये आयोजन दोहरे उद्देश्य की पूर्ति करते हैं—सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और अल्पसंख्यक समुदायों और आम जनता के बीच मंत्रालय की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना। अब तक, मंत्रालय ने देश के विभिन्न स्थानों पर 41 'हुनर हाट' और 4 'लोक संवर्धन पर्व' आयोजित किए हैं, जिनमें अल्पसंख्यक समुदायों के कारीगरों/शिल्पकारों को उनके हस्तशिल्प, स्वदेशी उत्पादों और पाक परंपराओं का प्रदर्शन और विपणन करने का अवसर प्रदान किया गया है। मंत्रालय, 'लोक संवर्धन पर्व' के विभिन्न संस्करणों के दौरान प्राप्त बिक्री के आंकड़ों और व्यापक प्रतिक्रिया के आधार पर, इस आयोजन के प्रभाव और पहुँच को बढ़ाने के लिए सुधारात्मक पहल करता है। इन सुधारों में बेहतर बुनियादी ढाँचा, बेहतर स्टॉल लेआउट, ऑन-साइट बिक्री के लिए डिजिटल सक्षमता, भाग लेने वाले कारीगरों के लिए

क्षमता निर्माण और लक्षित प्रचार कार्यनीतियां शामिल हैं। इस प्रतिक्रिया सुधार तंत्र का उद्देश्य आगंतुकों की संख्या बढ़ाना, खरीदारों की सहभागिता बढ़ाना और अल्पसंख्यक कारीगरों तथा उद्यमियों के लिए बेहतर प्रचार एवं बाजार संपर्क सुनिश्चित करना है।

इसके अतिरिक्त, स्व-रोज़गार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए, मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास वित्त निगम (NMDFC) उद्यम विकास ऋण प्रदान करता है और मंत्रालय के माध्यम से सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का भी प्रदर्शन करता है।

PM विकास, सीखो और कमाओ और नई रोशनी सहित मंत्रालय की पांच पूर्ववर्ती योजनाओं को एकीकृत करता है और उन पर आधारित है। इस योजना में इन पूर्ववर्ती कार्यक्रमों के प्रभाव आकलन से प्राप्त प्रमुख अधिगमों और सिफारिशों को शामिल किया गया है। शहरी सहभागिता और पहुँच पर ज़ोर देते हुए, 'लोक संवर्धन पर्व' के तीन संस्करण दिल्ली में आयोजित किए जा चुके हैं।

******